भारतीय पर्यटन विकास निगम की शाखाएं स्थित हैं; और

(ख) गत तीन वर्षों में, वर्ष वार उनमें से प्रत्येक को कितनी हानि हुई अथवा लाभ हुआ ?

पर्यटन और नागर विमानन मंत्री (डा० कर्ण सिंह) : (क) और (ख). भारत पर्यटन विकास निगम की शाखाओं के रूप में कोई शाखायें नहीं हैं, तथापि समस्त भारत में इस के अनेक होटल, परिवहन यूनिट, यात्रीलॉज आदि फैले हुये हैं। निगम के लेखे समेकित रूप में रखे जाते हैं और निगम को आशा है कि इसे 31 मार्च, 1971 को समाप्त हुये वर्ष में लगभग 50 लाख रुपये का लाभार्जन होगा (लेखा-परीक्षण शेष है)।

Discovery of Harappa-Type Ruins in Srinagar

5825. SHRI MUHAMMED SHERIFF : Will the Minister of EDUCATION AND SOCIAL WELFARE be pleased to state :

(a) whether recently Harappa-type ruins were discovered near the foot-hills of mount Mahadeva in Srinagar ; and

(b) if so, their importance from historical point of view ?

THE DEPUTY MINISTER IN THE MINISTRY OF EDUCATION AND SOCIAL WELFARE AND IN THE DEPARTMENT OF CULTURE (SHRI D. P. YADAVA) : (a) No, Sir.

(b) Does not arise.

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मध्य प्रदेश की संस्थाओं को पुस्तकालयों और वैज्ञानिक उपकरणों के लिए दिये गये अनुदान

5826. **डा० लक्ष्मीनारायण पांडे** : क्या शिक्षा और समाज कल्याण मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) मध्य प्रदेश में उन संस्थाओं के नाम क्या हैं जिन्हें विश्वविद्यालय अनुदान आयोग ने पुस्तकालयों और वैज्ञानिक उपकरणों के लिए 1969-70 और 1971-72 में अनुदान दिया है;

(ख) उक्त प्रत्येक संस्था को कितना अनुदान दिया गया है;

(ग) क्या उनको अनुदान देने अथवा अनुदानों की मंजूरी देने से पूर्व उक्त संस्थाओं की वित्तीय स्थिति दायित्वों तथा अन्य आभारों के बारे में पूरी जानकारी प्राप्त कर ली गई थी; और

(घ) यदि हां, तो उसके ब्योरे क्या हैं ?

शिक्षा और समाज कल्याण मंत्रालय और संस्कृति विभाग में उप-मंत्री (श्री डी० पी० यादव) : (क) और (ख). विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा 1969-70 और 1971-72 के दौरान मध्य प्रदेश के विश्वविद्यालयों को पुस्तकालयों और वैज्ञानिक उपस्कर के लिए दिए गए अनुदानों का एक विवरण संलग्न है। कालिजों के संबंध में इसी प्रकार की सूचना एकत्र की जा रही है और यथासमय सभा पटल पर रख दी जाएगी।

(ग) और (घ). विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा नियुक्त की गई निरीक्षक समितियों द्वारा योजना-अवधि के लिए विश्वविद्यालयों की आवश्यकताओं का आवलन किया जाता है और समितियों की सिफारिशों और उपलब्ध निधियों के आधार पर अनुदान निर्धारित कर दिए जाते हैं। विश्वविद्यालयों को यह आश्वासन देना पड़ता है कि निर्धारित अनुदान के बराबर का ही अपना हिस्सा उन्हें अपने निजी साधनों से या सम्बन्धित राज्य सरकार को लगाना पड़ेगा।

जिन विश्वविद्यालयों से कालिज सम्बद्ध होते हैं उनकी सिफारिश पर ही कालिजों को अनुदान मिल पाते हैं। ये अनुदान कालिजों द्वारा दिए गए इस आश्वासन के अधीन दिए

जाते हैं कि सम्बन्धित कालिज आयोग के अंशदान से अधिक होने वाले व्यय को अपने निजी साधनों या राज्य सरकार के अनुदानों से पूरा करेगा। किसी कालिज की वित्तीय स्थिति की जांच विश्वविद्यालय के अधिकारियों द्वारा संबंधन की स्वीकृति प्रदान करते समय की जाती है।

विवरण

विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा मध्य प्रदेश की संस्थाओं को पुस्तकालयों और वैज्ञानिक उपस्कर के लिए दिए जाने वाले अनुदान।

विश्वविद्यालय	विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दिए गए अनुदान			
	उपस्कर		पुस्तकालय	
	1969-70	1971-72 (17-7-71 तक)	1969-70	1971-72 (17-7-1971 तक)
1. ए० पी० सिंह विश्वविद्यालय	—	—	—	—
2. भोपाल विश्वविद्यालय	—	—	—	—
3. इन्द्रा कला संगीत विश्वविद्यालय	—	—	—	—
4. इन्दौर विश्वविद्यालय	—	—	2,10,000	32,500
5. जबलपुर विश्वविद्यालय	—	1,32,000	2,20,000	—
6. जे० एन० कृषि विश्वविद्यालय	—	—	—	—
7. जीवाजी विश्वविद्यालय	—	—	86,000	87,500
8. रविशंकर विश्वविद्यालय	10,000	50,000	2,88,800	57,500
9. सागर विश्वविद्यालय	2,53,895	3,22,657	1,35,00	1,11,342
10. विक्रम विश्वविद्यालय	60,000	15,000	1,71,000	45,000

पुस्तकालय भवन के लिए दिए गए अनुदान भी शामिल हैं।

Non-Banking Companies receiving deposits from Public

5827. SHRI S. A. MURUGANANTHAM: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) the number of non-banking companies who receive deposits from public at present;

(b) the total mobilisation of deposits by these companies in 1969-70 and 1970-71; and

(c) the interest paid by these companies to the depositors;

THE MINISTER OF FINANCE (SHRI YESHWANTRAO CHAVAN): (a) and (b). The latest review for non-banking companies published by the Reserve Bank of India cover deposits upto the period ending 31st March, 1968. According to this review, there were 2,179 companies submitting returns about the deposits lodged with them. The amount of deposits was Rs. 478 crores. Reviews for the subsequent period have not yet been completed.

(c) The rate of interest on deposits differs from company to company, depending on its size and the period of the deposit. In the case of bigger companies the rate of interest ranges from 7.5% to 13% per annum, for periods from 1 to 5 years.

Unbanked Centres in the Country

5828. SHRI S. A. MURUGANANTHAM: Will the Minister of FINANCE be pleased to state:

(a) whether there is a large number of unbanked centres in the country mostly in rural areas;